लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1240

03 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र क्षेत्र में निवेश

1240. श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा:
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन:
श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा वस्त्र क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ख) सरकार द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान कुल कितने रोजगारों का सृजन किया जाएगा;

(ग) मंत्रालय द्वारा वस्त्र क्षेत्र में निवेश लाने और उक्त क्षेत्र के विकास लक्ष्यों के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) राजस्थान में वस्त्र क्षेत्र में निवेश और विकास लाने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) और (ख): वस्त्र उद्योग देश में रोजगार के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है, अनुमान है कि यह सीधे तौर पर 45 मिलियन से अधिक लोगों को रोजगार देता है। वस्त्र क्षेत्र में रोजगार के अवसर उत्पन्न करने के लिए, सरकार विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों जैसे समर्थ (वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना), राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी), राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी), पीएम-मेगा एकीकृत वस्त्र और अपैरल पार्क (पीएम-मित्र) योजना, वस्त्र हेतु उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और अन्य कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रही है। वस्त्र उद्योग में रोजगार पर वर्षवार डेटा नहीं रखा जाता है।

(ग) और (घ): भारत को वैश्विक वस्त्र विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से, सरकार अपने विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से राजस्थान राज्य सहित पूरे देश में वस्त्र क्षेत्र में निवेश आकर्षित करना चाहती है। इनमें से कुछ पहलों में शामिल हैं:

पीएम मित्र पार्क योजना: इस योजना के तहत, वस्त्र क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक, एकीकृत, बड़े पैमाने पर, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और प्लग एंड प्ले सुविधा वाले 7 मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जा रहे हैं।

वस्त्र हेतु उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना: यह योजना बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और इन वस्त्र क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी वस्त्रों सहित उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित है।

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन: यह मिशन (i) अनुसंधान, नवाचार और विकास, (ii) प्रचार और बाजार विकास (iii) शिक्षा और कौशल और (iv) तकनीकी वस्त्रों में निर्यात संवर्धन पर केंद्रित है ताकि देश को तकनीकी वस्त्रों में वैश्विक नेतृत्व प्रदानकर्ता के रूप में स्थापित किया जा सके।

वस्त्र क्षेत्र में निवेश और विकास लाने के लिए कोई विशिष्ट राज्यवार लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं।

***